दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१०५ वा | शुक्रवार १७ एप्रिल २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

मुस्लिम आरक्षण और मार्टी को लेकर बीड़ में आज शांतिपूर्ण मोर्चा, हिंदू भाइयों का भी साथ

बीड , तामीर न्यूज

बीड़ में आज मुस्लिम आरक्षण और MARTRI संस्थान को लेकर एक महत्वपूर्ण मोर्चा निकाला जा रहा है। यह मोर्चा पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से आयोजित किया जा रहा है। इस आंदोलन को खास बात यह है कि इसमें हिंदू समाज के लोगों का भी समर्थन देखने को मिल रहा है। मोर्चा सामाजिक न्याय और समान अवसर की मांग को लेकर निकाला जा रहा है। महाराष्ट्र में पहले मुस्लिम समाज को शिक्षा में ५% आरक्षण दिया गया था। लेकिन बाद में यह मामला अदालत में चला गया और लागू नहीं हो पाया। तत्कालीन सरकार के दौरान यह आरक्षण कानूनी अड़चनों में फंस गया। जिसके कारण मुस्लिम समाज को अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका। पिछले वर्ष उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने MARTRI को मंजूरी दी थी।

यह संस्थान अल्पसंख्यक समाज, खासकर मुस्लिम युवाओं के विकास के लिए बनाया गया है। MARTRI का उद्देश्य शिक्षा, कौशल और प्रतियोगी परीक्षाओं में मार्गदर्शन देना है। लेकिन यह संस्थान अभी तक पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पाया है। च-ठढठख में मजबूत प्रशासनिक ढांचे की कमी देखी जा रही है। गवर्निंग बोर्ड का गठन अब तक पूर्ण रूप से नहीं हुआ है। योजनाओं की गति भी काफी धीमी बताई जा रही है। जिसके कारण इसका लाभ जमीन तक नहीं पहुंच पा रहा है। दूसरी ओर, राज्य के अन्य संस्थान जैसे ड-ठढक्ख और BARTI प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इन संस्थानों ने विभिन्न समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में च-ठढठख का पीछे रहना कई सवाल खड़े करता है। मुस्लिम समाज की शैक्षणिक स्थिति अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। उच्च शिक्षा में भागीदारी कम है। आर्थिक समस्याएं भी एक बड़ी बाधा हैं। अवसरों की कमी से युवा पीछे रह जाते हैं। ऐसे में ५% आरक्षण को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह आरक्षण किसी विशेषाधिकार के लिए नहीं बल्कि बराबरी के लिए है। यह सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को संतुलित करने का प्रयास है। मोर्चे में शामिल लोगों का कहना है कि केवल घोषणा से काम नहीं चलेगा। सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। च-ठढठख को पूरी तरह सक्रिय करना जरूरी है। इसके लिए संसाधन और स्पष्ट नीति की जरूरत है। मोर्चा आयोजकों ने प्रशासन से मांग की है कि ५% आरक्षण को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए। और इसे केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए। आज का यह मोर्चा किसी टकराव के लिए नहीं है। यह हक और न्याय की मांग के लिए निकाला गया है। आयोजकों ने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की है। हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश भी इस मोर्चे से दिया जा रहा है। सामाजिक सौहार्द को बनाए रखते हुए अधिकारों की बात की जा रही है। आयोजको का कहना है कि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से सुने। और जल्द से जल्द ठोस निर्णय ले। यह मोर्चा केवल एक दिन का आंदोलन नहीं है। बल्कि यह लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा के खिलाफ आवाज है। बीड़ में निकलने जा रहा यह मोर्चा सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। अब देखना यह है कि महाराष्ट्र सरकार इस आवाज को कितनी संवेदनशीलता से सुनती है और क्या ठोस कदम उठाती है।

मुस्लिम आरक्षण आंदोलन को तुतारी गुट के नगरसेवकों का समर्थन- गटनेता खुर्शीद आलम का नागरिकों से शामिल होने का आह्वान

रिपोर्टर: प्रतिनिधि, बीड़

बीड़ में १७ अप्रैल को आयोजित होने वाले मुस्लिम आरक्षण मोर्चा आंदोलन को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के तुतारी गुट के सभी नगरसेवकों ने अपना समर्थन घोषित किया है।

बीड़ शहर विकास आघाड़ी के गटनेता एवं शहराध्यक्ष खुर्शीद आलम ने इस संबंध में जानकारी देते हुए सभी नागरिकों से बड़ी संख्या में इस आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न समितियों की रिपोर्टों के अनुसार मुस्लिम समाज शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है।

इसी पृष्ठभूमि में तत्कालीन महा विकास आघाड़ी सरकार ने मुस्लिम समाज को आरक्षण दिया था।

साथ ही, माननीय उच्च न्यायालय ने भी मुस्लिम समाज की शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए आरक्षण की आवश्यकता को स्वीकार किया था।

इसी आधार पर वर्तमान सरकार से भी मुस्लिम समाज को आरक्षण देने की मांग की जा रही है।

इस मांग को लेकर १७ अप्रैल को बीड़ में मुस्लिम आरक्षण मोर्चा आयोजित किया जा रहा है।

इस आंदोलन को समर्थन देते हुए तुतारी गुट के नगरसेवकों ने नागरिकों से शांतिपूर्ण तरीके से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

समर्थन देने वाले प्रमुख नगरसेवकों में अशोक काळे, शेख बब्बु, अक्षय जाधव, शेख रईस, रंजीत पिंगळे, अय्युब खान, शेख अफसर, उल्हास ग्राम, मसूद खान, शेख रोहिल, भारत कांबळे, मसी भाई और मोहसीन मोमीन शामिल हैं। इन सभी की ओर से गटनेता खुर्शीद आलम ने आंदोलन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि यह मोर्चा समाज के अधिकार और न्याय की मांग को लेकर निकाला जा रहा है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस आंदोलन में शामिल होकर सामाजिक न्याय की इस मांग को मजबूत करें।

१७ तारीख को सरो का समंदर दिखेगा

इस्लामपुरा में अरबाज के साथ भागवत तावरे का आह्वान

बीड, प्रतिनिधि:

मुस्लिम समाज की पीड़ा, समस्याएं और अधिकारों की मांग जहां उठती है, वहां भागवत तावरे को किसी निमंत्रण की जरूरत नहीं पड़ती। वे राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठकर अपनी भूमिका स्पष्ट करते हैं। १७ अप्रैल को होने वाले मुस्लिम आरक्षण मोर्चे की तैयारियां चल रही हैं। इसी दौरान कल भागवत तावरे ने एक खुले मंच से अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए अरबाज के कंधे से कंधा मिलाकर मुस्लिम समाज से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की।

नगरसेवक शेख बब्बू द्वारा आयोजित बैठक में तावरे ने जोरदार संबोधन किया। इस मौके पर अरबाज पठान ने मुस्लिम गरीबी पर अपना अध्ययन प्रस्तुत किया, जबकि तावरे ने व्यवस्था पर कड़ा प्रहार किया। इस कार्यक्रम में अलीम पटेल, नदीम सर, सबदर देशमुख, अफजल खान सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

तावरे ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को जवाब ▶▶पान ४ पे

चलो तावरे आया

भागवत तावरे के प्रति मुस्लिम समाज में सम्मान और विश्वास है। वे किसी भी प्रतिगामी ताकत से न डरने वाले, मुस्लिम भावनाओं, हक और न्याय के लिए आवाज उठाने वाले व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। मुस्लिम समाज की पीड़ा को सामने रखने के कारण वे कई बार खुद पर मुकदमे भी झेलते हैं। जब तावरे हिंदी में बोलते हैं, तो वह भाषण ▶▶पान ४ पे

लिंबागणेश के नागरिकों की अपील; मुस्लिम समाज के न्याय अधिकार हेतु 'मुस्लिम आरक्षण एल्गार मोर्चा' में शामिल हों - डॉ. गणेश ढवळे

रिपोर्टर: प्रतिनिधि, लिंबागणेश

लिंबागणेश (दि.१६) : मुस्लिम समाज की शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए आरक्षण समय की आवश्यकता है, ऐसा मत व्यक्त करते हुए सकल मुस्लिम समाज की ओर से १७ अप्रैल को बीड जिलाधिकारी कार्यालय पर आयोजित एल्गार मोर्चा को लिंबागणेश के नागरिकों ने अपना समर्थन दिया है।

इस पृष्ठभूमि में सभी जाति-धर्म के नागरिकों से न्याय और अधिकार की इस लड़ाई में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

डॉ. गणेश ढवळे ने कहा कि यह मोर्चा किसी ▶▶पान ४ पे

मुस्लिम आरक्षण मोर्चे को समिति का सशर्त समर्थन, संयोजक अपनी राजनीतिक भूमिका स्पष्ट करें -ॲड. प्रो. इलियास इनामदार

बीड (प्रतिनिधि):

आगामी १७ अप्रैल को निकलने वाले मुस्लिम आरक्षण मोर्चे को महाराष्ट्र मुस्लिम आरक्षण संघर्ष समिति और लोकसेना संगठन ने कुछ शर्तों के साथ समर्थन देने की घोषणा की है। महाराष्ट्र मुस्लिम आरक्षण संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष तथा लोकसेना संगठन के प्रमुख एड. प्रो. इलियास इनामदार ने मुस्लिम आरक्षण समिति के पदाधिकारियों, आरक्षण समर्थकों, लोकसेना संगठन के कार्यकर्ताओं और बीड जिले की जनता से अपने अधिकारों की लड़ाई में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन तब तक लगातार जारी रहना चाहिए जब तक मांगें पूरी नहीं हो जातीं। अन्यथा, कुछ वर्ष पहले कांग्रेस-राष्ट्रवादी सरकार के समय भाजपा के इशारे पर पाशा पटेल नामक नेता द्वारा मुस्लिम आरक्षण आंदोलन को पूरे राज्य में भड़काकर समाज को गुमराह किया गया था। इससे मुस्लिम समाज में तत्कालीन सरकार के प्रति नाराजगी उत्पन्न हुई थी। सत्ता परिवर्तन के बाद कौन सा आरक्षण और कौन सा मुस्लिम समाज जैसी भाषा भाजपा नेताओं, विशेषकर पाशा पटेल द्वारा इस्तेमाल की गई। आज तक समाज के बारे में आपत्तिजनक बयान दिए जाते रहे हैं। इसी के बदले पाशा पटेल को विधान परिषद और केंद्रीय कृषि आयोग का पद मिला, जबकि समाज को नजरअंदाज कर दिया गया। ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए।

इनामदार ने कहा कि मोर्चा निकालने वाले किस नेता या राजनीतिक दल से जुड़े हैं, यह समाज को जानना जरूरी है। शहर में यह चर्चा है कि मोर्चा संयोजक नगर के सांसद निलेश लंके के पीए या कार्यकर्ता हैं। इसलिए ▶▶पान ४ पे

मुस्लिम आरक्षण महामोर्चा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों - पूर्व विधायक डॉ. नारायणराव मुंढे

गेवराई, (काज़ी अमान) बीड में शुक्रवार, दिनांक १७ अप्रैल २०२६ को मुस्लिम समाज के न्यायसंगत अधिकार और आरक्षण की मांग को लेकर जिले के सभी मुस्लिम भाईयों, मित्रमंडलों और हितचिंतकों का एक विशाल महामोर्चा जिलाधिकारी कार्यालय पर निकाला जाएगा। इस मोर्चे में बीड जिले तथा गेवराई तालुका के मुस्लिम समाज सहित सभी समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील गेवराई के पूर्व विधायक डॉ. नारायणराव मुंढे ने की है।

डॉ. मुंढे ने इस संबंध में जारी प्रेस नोट में कहा है कि मुस्लिम आरक्षण की लंबित मांग को जिलाधिकारी के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना आवश्यक है। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार ५ प्रतिशत आरक्षण मिलना ही चाहिए, यह हमारा संवैधानिक और न्यायालय द्वारा प्रदत्त अधिकार है। इस अधिकार को प्राप्त करने के लिए हमें महामोर्चे के माध्यम से सरकार के सामने अपनी मांग रखनी होगी।

उन्होंने आगे कहा कि यदि यह मांग पूरी नहीं की जाती है, तो संवैधानिक और वैधानिक तरीके से विभिन्न आंदोलनों के जरिए आरक्षण प्राप्त करने के लिए और अधिक तीव्र संघर्ष खड़ा करना पड़ेगा।

इस अवसर पर डॉ. मुंढे के साथ ओबीसी समाज के युवा नेता सुघोष मुंढे, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता काज़ी अब्दुल कुद्दुस, छोटेभाई, सैय्यद मोज़म, फिरोज पठान, शफीक कौसर, श्रीमंत तेरे और वर्धमान माने ने भी शुक्रवार, १७ अप्रैल २०२६ को दोपहर २ बजे किला मैदान, बीड से निकलने वाले इस महामोर्चे में सभी समाज के लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जाहीर प्रगटन
सावधान

झमझम इंडस्ट्रीज बीड ही आपल्या झमझम या थंडपेय उत्पादनाचा व्यवसाय करते. ही कंपनी थंडपेयाच्या रिकाम्या बाटल्या किंवा प्लास्टीक क्रेटची विक्री करत नाहीत. बाजारात अशा रिकाम्या बाटल्या खरेदी व विक्री करून त्याचा दुरुपयोग करून कंपनीस बदनाम करण्याचा प्रयत्न होत आहे. अशा प्रकारे रिकाम्या बाटल्या व क्रॅटची खरेदी व विक्री करणे हे कायदेशीर दृष्ट्या गैर आहे. 'झमझम'ची उत्पादनाची विक्री करणाऱ्या विक्रेत्यांनीही याची काळजी घेणे आवश्यक आहे. त्याचप्रमाणे जुने साहित्य (भंगार) खरेदी-विक्री करणाऱ्यांनीही झमझमच्या रिकाम्या बाटल्या अथवा क्रॅटची खरेदी विक्री करणाऱ्यांनीही झमझमच्या रिकाम्या बाटल्या अथवा क्रॅटची खरेदी-विक्री व्यवहार करू नये किंवा त्यास सहकार्य करू नये. असे कोठेही आढळल्यास झमझम इंडस्ट्रीज त्या विरुद्ध कायदेशीर कारवाई करील व त्याच्या परिणामाची जबाबदारी संबंधितावर राहील याची सूचना देण्यासाठीच हा सावधानतेचा इशारा दिला आहे. याची नोंद घ्यावी.

ZUM ZUM

प्रगटन देणार
झमझम इंडस्ट्रीज
झमझम कॉलनी, बीड

आप सबको यह जानकारी देते हुए खुशी हो रही है कि
डॉ. इनामदार आमेर
(MD Medicine)
अब ओपीडी के लिए हर रोज उपलब्ध रहेंगे।
Elite Care Hospital
ओपीडी समय: दोपहर २ बजे से ५ बजे तक
शाम ६ बजे से रात १० बजे तक
संपर्क: ९४२३२३८३१६

पता: बार्शी रोड, माने पेट्रोल पंप के पीछे, नर्सरी रोड, बीड

‘जामतारा’ जैसे फर्जी कॉल सेंटर से करोड़ों की ठगी का नेटवर्क; आईजी दत्ता कराळे समेत अधिकारियों की जांच की मांग-हर्षवर्धन सपकाळ

जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई : देशभर में ऑनलाइन ठगी के मामलों में तेजी के बीच महाराष्ट्र में भी ‘जामतारा’ की तर्ज पर फर्जी कॉल सेंटरों के माध्यम से करोड़ों रुपये की ठगी का बड़ा रैकेट चलने का आरोप लगाया गया है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने गुरुवार को गंभीर आरोप लगाते हुए नाशिक के आईजी दत्ता कराळे, नाशिक ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक बाळासाहेब पाटील और अहिल्यानगर के एसपी सोमनाथ घार्गे की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

उन्होंने दावा किया कि मंत्रालय के स्तर पर संरक्षण के बिना इतने बड़े पैमाने पर फर्जी कॉल सेंटर और पैसों की हेराफेरी संभव नहीं है।

गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए सपकाळ ने कहा कि भोंदू बाबा अशोक खरात और आईजी दत्ता कराळे के संबंधों से जुड़े वीडियो सामने आए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन अधिकारियों का इस फर्जी कॉल सेंटर रैकेट से संबंध होने की जानकारी उन्हें मिली है।

उन्होंने बताया कि सीबीआई ने ८ अगस्त २०२५ और ११ सितंबर २०२५ को दर्ज एफआईआर के आधार पर नाशिक और इगतपुरी में छापेमारी कर फर्जी कॉल सेंटर चलाने वालों को गिरफ्तार किया था।

सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब यह रैकेट इतने बड़े स्तर पर चल रहा था, तब महाराष्ट्र पुलिस को इसकी भनक क्यों नहीं लगी।

सपकाळ ने कहा कि सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है और मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस मामले की जानकारी लेकर उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए।

उन्होंने सवाल किया कि क्या संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या उन्हें ‘क्लीन चिट’ दे दी जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कराळे और अन्य अधिकारी पहले ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों में तैनात थे, जहां इसी तरह के कॉल सेंटर संचालित होते थे।

छापेमारी के बाद आरोपियों पर हल्की कार्रवाई कर छोड़ दिया गया और बाद में नाशिक क्षेत्र में स्थानांतरण के बाद उन्हीं लोगों के साथ मिलकर फिर से रैकेट शुरू किया गया।

सीबीआई के एंटी करप्शन ब्रांच के एसपी अमित वसावा द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार, इस रैकेट को चलाने के लिए आरोपियों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को नकद, सोना और क्रिप्टोकरेंसी के रूप में रिश्वत दी जाती थी।

सपकाळ ने सवाल किया कि राज्य सरकार को जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले-भोंदू बाबा अशोक खरात, आईजी दत्ता कराळे और फर्जी कॉल सेंटर से जुड़े आर्थिक लेन-देन-की गहन जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

विधान परिषद चुनाव पर भी बयान

हर्षवर्धन सपकाळ ने विधान परिषद चुनाव को लेकर भी पार्टी की स्थिति स्पष्ट की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इच्छा थी कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का उम्मीदवार हो और विधान परिषद के लिए महाविकास आघाड़ी की ओर से उद्धव ठाकरे उम्मीदवार बनें।

हालांकि, वरिष्ठ नेता शरद पवार को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया गया।

अब यदि उद्धव ठाकरे विधान परिषद चुनाव नहीं लड़ते हैं, तो कांग्रेस को उम्मीदवार उतारने का मौका दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विधान परिषद की एक सीट दिवंगत नेता राजीव सातव की थी, जिसके बाद उनकी पत्नी प्रज्ञा सातव को उम्मीदवार बनाया गया था, लेकिन उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को निर्विरोध चुना जाना चाहिए।

सपकाळ ने मुख्यमंत्री से अपील की कि बारामती की परंपरा की तरह इस मामले में भी राजनीतिक मर्यादा और परंपरा का पालन किया जाए।

भाजपा नगरसेविका के पति सागर देशपांडे के परिवार पर दर्ज कथित झूठे मुकदमे वापस लेने की मांग

बीड (प्रतिनिधि), १६ अप्रैल: शहर के धोंडीपुरा क्षेत्र में भाजपा की नगरसेविका भाग्यश्री देशपांडे के पति सागर देशपांडे पर कुछ दिन पहले हुए कायराना हमले के बाद, उनके और उनके परिवार के सदस्यों पर दर्ज किए गए कथित झूठे मामलों को तुरंत वापस लेने की मांग उठी है। भाजपा के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने गुरुवार (१६ अप्रैल) को पुलिस अधीक्षक नवनीत कॉवत से मुलाकात कर यह मांग रखी।

बताया गया कि आरोपियों की ओर से सागर देशपांडे तथा उनके पिता अरुणराव देशपांडे के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराए गए हैं। इसी संदर्भ में देशपांडे परिवार और भाजपा पदाधिकारी पुलिस अधीक्षक से

मिलने पहुंचे थे। इस दौरान भाजपा के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर, शहराध्यक्ष अशोक लोढा, संपादक दिलीप खिस्ती, वरिष्ठ पत्रकार महेश वाघमारे, नगरसेवक जगदीश गुरखुदे, शुभम धूत, डॉ. रविंद्र घुंबरे, अधिवक्ता संगीता धसे, अधिवक्ता दीपक कुलकर्णी और प्रमोद पुसरेकर सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मीडिया से बातचीत में डॉ. योगेश क्षीरसागर ने कहा कि सागर देशपांडे पर हुआ हमला राजनीतिक द्वेष के चलते किया गया है। देशपांडे परिवार की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं होने के बावजूद उनके खिलाफ गंभीर प्रकार के कथित झूठे मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना का स्पष्ट सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने के बावजूद संबंधित आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होना चिंताजनक है।

शिष्टमंडल ने पुलिस अधीक्षक नवनीत कॉवत के समक्ष यह पूरा मामला रखा और न्याय मिलने का विश्वास व्यक्त किया।

ईवीएम की जांच से बच रहा है चुनाव आयोग: नसीम खान, सुप्रीम कोर्ट जाने की चेतावनी

जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नसीम खान ने आरोप लगाया है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद चुनाव आयोग चांदिवली विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम की जांच करने से बच रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो वे इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

नसीम खान ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने चुनाव आयोग को एक ज्ञापन भी सौंपा है।

उन्होंने कहा कि २०२४ के विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र में ईवीएम में गड़बड़ी हुई थी, जिसकी शिकायत उन्होंने उच्च न्यायालय में की थी।

इस पर अदालत ने ५ प्रतिशत ईवीएम मशीनों की जांच के आदेश दिए थे, जिसके तहत बोरीवली में दो दिन की जांच प्रक्रिया शुरू हुई है।

हालांकि, उनका आरोप है कि अदालत ने डेटा सहित जांच करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे, लेकिन चुनाव आयोग उन निर्देशों का पालन करने से बच रहा है।

उन्होंने कहा कि आयोग की ‘एसओपी’ सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के विपरीत है।

नसीम खान के अनुसार, चुनाव आयोग के इंजीनियर केवल बीयू और वीवीपीएटी मशीनों को जोड़कर दिखाने की औपचारिकता कर रहे हैं, जिसका उन्होंने विरोध किया है।

उन्होंने आयोग को पत्र देकर सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की मांग की है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे इस मुद्दे को लेकर सर्वोच्च न्यायालय जाएंगे।

नसीम खान ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और कथित अनियमितताओं को उजागर करते रहे हैं, लेकिन आयोग विपक्ष की शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहा है।

उन्होंने कहा कि इसलिए उन्हें न्यायालय का सहारा लेना पड़ रहा है।

यह मामला केवल चांदिवली विधानसभा तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और चुनाव की निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने का सवाल है।

अंत में उन्होंने कहा कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

वारकरी संप्रदाय के २० कथित ‘प्रतिगामी’ व्यक्तियों की सूची शरद पवार गुट ने जारी की-विकास लवांडे का हमला

रिपोर्टर: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई : वारकरी संप्रदाय में कथित रूप से दक्षिणपंथी विचारधारा की घुसपैठ को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) और भाजपा के बीच चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच गुरुवार को विवाद ने नया मोड़ ले लिया।

पार्टी के प्रवक्ता विकास लवांडे ने ऐसे २० व्यक्तियों की सूची जारी की, जिन पर वारकरी होने का दिखावा कर समाज में धार्मिक द्वेष फैलाने का आरोप लगाया गया है।

लवांडे ने आरोप लगाया कि इन व्यक्तियों के कार्यक्रमों का आयोजन भाजपा और आरएसएस द्वारा विभिन्न स्थानों पर किया जाता है और इनके माध्यम से धार्मिक वैमनस्य फैलाने का काम किया जाता है।

उन्होंने कहा कि वारकरी संप्रदाय की उपासना पद्धति में गोपीचंदन का तिलक, गले में तुलसी की माला, एकादशी का उपवास, आळंदी से पंढरपुर की वारी, भजन-कीर्तन और शुद्ध आचार-विचार शामिल हैं।

राम कृष्ण हरी ही इसका मुख्य मंत्र है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संप्रदाय का ध्वज काऊ (भगवा नहीं) रंग का होता है और वारकरी सफेद वस्त्र, टोपी या फेटा पहनते हैं।

लवांडे ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह तुकोबांची पार्टी है या मंबाजी की पार्टी, इसका जवाब कथित घुसपैठियों को देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि वारकरी संप्रदाय के आराध्य दैवत पंढरपुर के पांडुरंग, श्री विठ्ठल-रखुमाई हैं।

इस संप्रदाय के प्रमुख ग्रंथ ज्ञानेश्वरी, अमृतानुभव, एकनाथी भागवत, संत तुकाराम महाराज की गाथा और पंचरत्न हरिपाठ हैं।

उन्होंने कहा कि वारकरी परंपरा में किसी भी प्रकार के कर्मकांड, यज्ञ, हवन, अंधविश्वास या पाखंड को स्थान नहीं है।

यह संप्रदाय समानता, बंधुत्व और मानवता पर आधारित है, जहां जाति, धर्म, लिंग या पंथ के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता।

लवांडे ने दावा किया कि अतीत में संतों ने इस विचारधारा को महाराष्ट्र से बाहर तक फैलाया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तथाकथित मनुवादी और वैदिक परंपरा से जुड़े कुछ बाबा-महंत महाराष्ट्र में आकर इस परंपरा को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से प्रदीप शर्मा, कालीचरण महाराज, धीरेंद्र शास्त्री, बागेश्वर बाबा और स्वामी आनंद स्वरूप जैसे नाम सामने आते हैं, जो वारकरी संतों की विचारधारा के विपरीत मनुस्मृति आधारित विचार प्रस्तुत करते हैं और समाज में जाति व धर्म के आधार पर विभाजन पैदा करते हैं।

लवांडे ने यह भी कहा कि इतिहास में संतों को वर्ण-व्यवस्था के समर्थकों द्वारा काफी उत्पीड़न और अपमान का सामना करना पड़ा और आज भी उसी विचारधारा से जुड़े लोगों को संत परंपरा से समस्या है।

लवांडे द्वारा बताए गए कथित ‘घुसपैठियों’ की सूची इस प्रकार है:

किशोर व्यास उर्फ गोविंद देवगिरी, चारुदत्त आफळे, बंडातात्या कराडकर, प्रकाश जवंजाळ, तुषार भोसले, अक्षय भोसले, संग्राम भंडारे, योगी निरंजन (विश्वस्त, आळंदी देवस्थान), एकनाथ सदगीर, ज्ञानेश्वर जळकीकर, संजय पाचपोर, भास्करगिरी महाराज (देवगढ़), संजय नाना धोंडगे, राणा वास्कर, चंद्रशेखर देगलूरकर (पंढरपुर), उद्धोद पैठणकर, शाम राठोड उर्फ भारतानंद सरस्वती, किशोर शिवणीकर, रामगिरी महाराज और निरंजन कोटेकर।

पान १ वरून

१७ तारीख को सरो...

देना है, इसलिए आज ही भूमिका तय करनी होगी। यहां की व्यवस्था मुस्लिम विरोध से ग्रस्त है। अगर मुस्लिम समाज को मुख्यधारा में आना है, तो हमें बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरना होगा। जब एक अरबाज अपनी स्थिर दिल्ली की जिंदगी छोड़कर गली-गली संघर्ष कर रहा है, तो हम घर में बैठकर नहीं रह सकते।

उन्होंने आगे कहा कि १७ तारीख को किला मैदान से ‘सरो का समंदर’ उतरेगा, और मुस्लिम समाज से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की।

चलो तावरे आया

नहीं बल्कि एक मजबूत बयान होता है।

बीड शहर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो तावरे आ रहे हैं सुनते ही अपना काम छोड़कर उनके समर्थन में पहुंच जाते हैं। इसका अनुभव बीड नगर पालिका में भी देखने को मिला है। मुस्लिम मोर्चे के बैकस्टेज से लेकर अब ऑन-स्टेज तक भागवत तावरे के आने से अरबाज के आंदोलन को और अधिक मजबूती मिली है, ऐसा माना जा रहा है।

मुस्लिम आरक्षण मोर्चे को समिति का...

संयोजक को अपना सामाजिक उद्देश्य और राजनीतिक भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए, अन्यथा भोला-भाला गरीब समाज अफवाहों का शिकार हो सकता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मुस्लिम आरक्षण आंदोलन किसी की जागीर नहीं है। कोई भी समाज के मुद्दों पर आंदोलन कर सकता है, लेकिन यह आंदोलन मांगें पूरी होने तक निरंतर चलना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं चापलूसी करने वाला नेता नहीं, बल्कि समाज की ओर से नेताओं को आईना दिखाने वाला कार्यकर्ता हूं।

इनामदार ने बताया कि २० दिसंबर २०१६ के मोर्चे में वे स्वयं संयोजक थे और मौलाना बदरुद्दीन अजमल की यूडीएफ पार्टी के जिलाध्यक्ष भी थे। लेकिन उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देकर मुस्लिम आरक्षण आंदोलन को आगे बढ़ाया। आज लोकसेना संगठन केवल सरकार, प्रशासन और सत्ताधारी नेताओं पर दबाव बनाने तथा समाज के हित में काम करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि आजकल कुछ कार्यकर्ताओं में मुंबई ट्रेंड आ गया है-लोगों को इकट्ठा करना, समाज को संगठित करना और फिर उसका राजनीतिक लाभ उठाकर पद, ठेके, चुनाव टिकट या टेंडर हासिल करना। यदि ऐसा हुआ तो समाज कभी माफ नहीं करेगा।

अंत में उन्होंने कहा कि यही उनकी शर्तें और अपेक्षाएं हैं। वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ मोर्चे में शामिल रहेंगे और समाज से बड़ी संख्या में भाग लेकर प्रशासन के माध्यम से सरकार पर आरक्षण देने के लिए दबाव बनाने की अपील की।

लिंबागणेश के नागरिकों की अपील; मुस्लिम ...

राजनीतिक दल या व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं है, बल्कि पूरे मुस्लिम समाज के न्याय अधिकार के लिए आयोजित किया गया है।

उन्होंने बताया कि समाज में व्याप्त शैक्षणिक और सामाजिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए शिक्षा, रोजगार तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं में मुस्लिम समाज को ५ प्रतिशत आरक्षण मिलना आवश्यक है, जो कि लंबे समय से लंबित और न्यायसंगत मांग है।

उन्होंने आगे कहा कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए यह संघर्ष जरूरी है।

इसलिए सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस ऐतिहासिक आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लें।

इस अवसर पर डॉ. गणेश ढवळे, सरपंच बालासाहेब जाधव, राजेभाऊ गिरे, रविंद्र निर्मळ, विक्रांत वाणी, औदुंबर नाईकवाडे, अर्जुन घोलप, शेख शफी, नूर सय्यद, बालासाहेब मुळे, समीर शेख, सय्यद अख्तर, सय्यद बशीर, रामदास मुळे, सुरेश निर्मळ, गणपत तागड, शेख शफीक, सय्यद सलीम, शेख वसीम, शेख उस्मान, सय्यद फिरोज, सय्यद रियाज, सय्यद ताहेर, सय्यद रूऊफ, सय्यद सालम, उमर शेख, सय्यद नाज़ीम, शेख बबलू, सय्यद आरेफ, शेख नाज़ीम, शेख शौकत, सय्यद आयुब, भास्कर आबदार, बबन गोंडे सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com